

UPSC CSE 2018 MAINS PAPER A OCTOBER 06, 2018 SINDHI (DEVNAGARI) LANGUAGE QUESTION PAPER

EGT-C-SNDD

सिंधी / SINDHI

(देवनागरी) / (Devanagari)

(लाजिमी) / (COMPULSORY)

समय : ३ घण्टा

Time Allowed : Three Hours

कुल मार्क : 300

Maximum Marks : 300

जरूरी हिदायत

मेहरबानी करे सुवालनि जा अथाव लिखण खां माहिरीं हेठि दिनल हिदायतुं ध्यान सां पढ़ो :

सभेई सुवाल करण जरूरीं आहिनि ।

हाकिम सुवाल ने सभेई मार्क लिखणल माहिनि ।

जवाब सिंधी (देवनागरी) लिपिअ में लिखणल आउनें । तेकडहिं कहिं सुवाल ने जवाब लाइ बी का हिदायत आउने न सभे ध्यान रहियो वजे ।

कहिं सुवाल में जरूरीं जी सीमा हुअ न उन खे समय में सही जवाब दिनां वजे कहिं सुवाल जो जवाब बुरकल लखनि खां सदा का नरो हुअे न मार्क कटिजां सभनि बिधु ।

सवालनि सां सडु दिनल जवाबी कपीअ में को गिरीं वा पेज, खाली कीडिअलु जात ते उन खे कोसे कयो वजे ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in SINDHI (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question cum Answer Booklet must be clearly struck off.

Q1. हेतियनि मां कंहिं वि हिक विषय ते अटिकल (AOC) लफ्जनि में मउमूनु लिखो : 100

- 1.0) जनशक्ति ते अदलिया ते क्रदार
- 1.1) महाविद्यालय में पेशिंदा पाण ते माडिणु
- 1.2) म्नायलाइंडेशन में बोलीअ आ बोमदानु
- 1.3) भागनिक मुआइशन में उन लाइ लफ्जकअं

Q2. हेति दिननु टुकस ध्यान मां पही ऐं उन जे हेतां लिखियल सुवालनि जा जवाब माफु, सही ऐं नूनु बोली अ में हियां : 12×5=60

दुनियां गोथोजी क होंहें लोडिअजी आड हां न हन हेव नी पकली अ ते मउमूहें आत्म शक्ति अ जे हथियार ते पचक कयो ते पशोन मन मां मुंहे मुकामिल खियल लाइ अहन्सा जो महामे वीरते पर सोचिण जे गुनलह इहा अहे ते हन अहन्सा जो महामे का चरिणो पखा इन लाइ न हू क्रिस्ता कमील भारत खे अंग्रेजनि जो बयतान्वी सलतनत खो आजाइ कोन पर करण सधियो ? एा इन लाइ हन इन्सानो समान खे इहे समूझइण पर चरियो न केलो को वि नउह हेवानियत जो इन्तइनएु को खे तेसी न इन्सानु सहाइप ते कखिलु ते न पावे. पेशिंदा बयानु इहे मुबिदु खे को न अहन्सा कमजोरनि ते वेगशम मउमूहनि ते हथियार अहे इन जो मविलव न उडहि अन्न खटि तापु ते हथियार पवहार न आइल न सत्यएहू ई सही आह, पर चियां बयानु अहन्सा खे इन्सान अहा जे विकास जा बगालो बुधन थो उन जो मदद सा मउमूह सफु ऐं शुध दो मधनि था.

इहा सनु आह न उडहिं भारतावासी बोलनिवा खिलानु गोधीअ जो अगुवणीअ में आजाइ अ जो मलचल अलाए मिया हूया, ते चयो ई इन मद जा बुआ ते अइन्सा उहा शड अहे जहिं खे चलो कबूल करे सोधते थो, छक्काय न हिंदुमतानिदुनि चरि अंग्रेजनि जे जदीइ हथियार पवहारनि ते सामने पवण लाइ का वि सवलियत मुयमक कोन तई. पर गोधी इन वाचारधारा खे कबलु कोन कयो. हू इन गुनलह जो लाइद में ई कोन हूआं न अहन्सा खे तके करे आगदी हासलु करे बने.

भारत जो आजाइ का नी हारवान शिकु बडो मवस्तु हुआ पर उन लई मउमूह जो हारवान लाइ वि इन्सानी सोच वाचार में नवील आणिकी हुई. हुगेत खे इहे समुझाओ हुआं न हेवानी शक्तीअ सा हासलु करल भकानिइ आला इन्सानी इण्डनि जे शइवने कते थि हासलु करे सोचजनि था, गोधीजी अ जा अवनु मउमूहनु निरुं हेतो माणहनि ते इगुनि खे अजाले बरणु कोन हूया पर उन मां मउमूह मउमूहनि ते चहशानी सोच खे थि नीइ अयो ह. गोफुत, कावाइ में अहमइतेह वाचारधारा निरुं जनिअनि में ई पाई वेदी अहे, जनि खे पाय जदिनि हियां जनिअनि सा मुंहे हिययो पवे थो इखान, जनिअनि खे अवनु आइल जा ताह खेनि चहिन गोश खे आबु अ मे रक्षण लुणत ते उन लाइ लोडिम तमानु मां नूनु कसइल जा इण्डमानु कणु खरे, जेयो कंहिं थि

जातिगत लड़ाई का दृष्टिकोण है नहीं बल्कि पहिचान के क्षेत्र का। समाज का समाधान-कालापी मध्ये, काल मुवाला का पता दिया न गोपीजीजी उन्हें केरली को वापस पढ़ें और इसी अहत्या कागे तबुली नएन में ई शर विद्या न कि जाहे वि विवा, मुल्क में ११ घण्टे मात्र इन समाज का ई विद्या-कर्म केरु चर्चा न एका सध उत्कृष्ट है तबुली का अने उत्कृष्ट कोन हूँ। इस लगे वेदी जाहे न अहत्या में नाकामागे अ जो नीचाम अनंगीक के कल्लसुके श्रुगे खे वि भायो आ गे उन जो शरी इल्लक रूस के सध साहित्यकार एलिस्तोड से वि विनी चर्चा हुई। गोपीजी, पुते ऐ हाथिरहाड विनी के वीचरने खे वाकिफु हूँ। अमा के मुल्क में वि वापीरीअ का अए अंगविद्या सिंगल नाकामागे में असहयोग केवल न नोचरने का काया जेदी हूँ। अमा वि अने अहम् मुवाला वापसाल पाहे न उन को तबुली पहिरी मिर्के भागा में ई हूँ अयो पयो ?

जवाबु जाहेल जाहे न उच्च शक्ति, विमानो न कलन खे उच्च अहमिकत जागे आहे, में हने मनु हिंदुत्वविद्याई ई चर्चा न समाज मुल्काने जो पेट में सहा गेन समुहो चरने, श्रुगे, हाथिरहाड, एमसन ऐ रोया गलान को जहा वि उन कलन को सोच ननु विनी, तबुली उन के पन मन्त्र में भाविच कल्लसुके जागे वाकसु है मुहाफु हूँ। मिर्कल नाकामागे अ जो कल्लसुके हिंदुत्व में है न बूढ़ हूँ। में उन सोच जाहे एका वाकसु है नको पन मन्त्रिच जका का न भागीप व कामकाग खे मुवागिक हूँ का इसी लगे उत्कृष्ट को भाविच सोच का गलने में आयो हूँ। अने लगे गन्धिवु श्रुगे में हाथिरहाड थिही के साधु खालिफा हूँ। अंगीक जो मूरहाल में न हूँ गलन ई हिंदुत्वानी हूँ।

100. दृष्टिकोण को पढ़ानु गोपीजी का रूप कीजिये। 12
101. गोपीजी का खे न जाहे को अहत्या लडा अहत्या को तबुली कीजिये चर्चा अहमिकत भाष्यो जगा ? 10
102. लेखक मुद्दिह इत्यान ऐ हाथिरहाड में कविहो कहे अहे ? 12
103. अहत्या को अहत्यानु भाग में कीजिये गुरु दियो ? 12
104. मिर्कल नाकामागे अ जो वीचरकारा खे केन पहाला का लियो ? 12

Q3. हेतु जिनल टुकर जो साधु, पहिचान वरफिजनि में हिकु भाहे है हिसे जेतिरा लिखो. उन खे अन्यानु द्विषण जो जसून का न अहे. 60

कतु जो इन्सान खे वापीरीअ में पनन अ हाइटीन इत्यान को जीरी जे न अहे जातिरा शासु अणु का कवि वि हो में सामुल कोन हूँ। हाड सहा भाग में नगीरो अहम् अहे हिकु भाह का इन्म् वापीरीअ है कलन अ अनीरो पने मन्त्रिच जका अहे, विनीके का जगी वाहरीच में अहत्या खे

जैसा साँकड़ों का इतिहास है उस आदिम आदिम, पठित हटते पहिले काइ नगरे खे मनार्थे नर धरी अह, इसन, काइएत न विन न म पर नगरे के उवाले में जीए था, उन लिए न खां न हिके अकिअं विन वकिए खां अलग अह अहू केका कइ कि थो राहयो अह, अहू कदाहि धि पान विनो हओ, इन्ना के आदिम आदिम विकास कए नारी काण कदीम इनाइति काइ धारे में अण नुगाइए धारी हई अह हिंदुस्ताना दुर्धन काइ पितु अणनबी गालिह हई, उहें वकए खे हांयाएत उ रूप में नुगाए धी उ अण में हिमदा हओ, पहिले इन्ना के अंदर में खिपनू हईये हुं, केके मंदमि लीएण के अंदर में सध बरअंविधुं कुं, भाषि, नारीए इन्ना के मुस्तकबिलू नइ करे थी ए उह खे नाली अ में जसो इहाने एस उ रिजालि खे टिन्गो इ पव थो.

पर इह गालि सध अहने न नगरे जो विनो नरयो अहू अह, अण कइहि वि महसूस कोन करे नयो हओ, इहें कि सध अह न इसन, नारीख ए वकए खां वजन सही युका अह, उषिवाहें मदीन में नगरे जो कइ गालिपनि की नकन मं रियलु हओ इति आवादा में नरकी अ नो पैगसु अहने, में अहने के वकए राई इति ईहें गालिमन नराली अ नो नपु वरिण, कइएत खे वरिखण आ काइदा इवान में फांलके अहू वि नइहू अहिन पर बीनो मदीन के नुम में बरबरिअत में कावच खे खानु करण जो कइ अहए अहने, न नहें मुस्तकबिल के बीन कमिनि में विधे वि नमाइजो नथा नथनि, उहें कइहें विन्ना के माइनी, नन्दी में बरबंद नगियन परती अहने, नहें इन्ना के पहिले उ मुस्तकबिल के गालिसले में एह विधवागो, कुकियतु में ध भरेस वगर छडियो.

इहें न अह न इन्ना काइ पहिले मुस्तकबिल बरबि कुद्यु कि काण कोन सखंदइ अहने, अहू के नदीइ इन्ना इन्म नगरेख खां के मुताबिक थोह मुस्तकबिल के बां में जैक सोच बीचर ए उमाह मुतअयन कइ अहने, उन के आधार के नकन नुनावाखिल की कर्मिस्टी लहें मधिने थी, पर उन मुस्तकबिल की नदीके दीर के पव सां को वि नअलुक कोन अहने, अवा वि इहें थई सधिने थो न अहू के खीफ खां बवाल टिबग खारि नारीखी नुनकबिल खे ननम् विनो करे, इन सां को वि फांके नथा पवें न उहो अंनै गेरुनककतो सगने की हलाइ अहने वा रेजेट जो मजीनो दुनिया अहने ! अगें वकन में गहु लई कोन था जीहें पर हिक उवाली दुनिया में आहियुं ए नुम न इहो न उन मुस्तकबिल में इन्ना की पना खे वि ननविनो लयो अहने, जो न इन्ना नौन के खीफ खां मुस्तकबिल में पनाह बरिती अहने.

एन खे नदीइ दीम जो नुनकबिल सिमनुनि हूहें हिकिजनु पिय हिक नगरे कइए थो, अहू जो इन्ना नगरेख न नन सां भांयो पओ अहने, नइहें न विन नरकि नगरेख जो विदगीअ धारे बरबिगे नअल मां में नसकलतो नुनाकावरा न विन में सधा खीट मुकी लया अहने, जोअ हिक इहेंउहू नगरे पानी उ नो कइहें वि विन्ना के नाने काइसु कोन के सधंदो अहने मागो लय ननु नगरेख

संविधान में बंधन वि अधीन किन्ही रूपों को, कमिश्नर में इन्स्ट्रुमेंट की संश्लेषण तकरीबन 28 जन में आंकल में चोड़ू अने, जेहि नी मध्य में ब्याई जहाज, सेवा, बसि में निमा नू टिकटू वि आगरी अ मां बुक, अउए संघर्षनि विचू, गिलाबेजत की हलाने यारि वरि तमबंग वि चेक को मधिडे को, इन्स्ट्रुमेंट में संवादन फान की मजायत मां राडनि ने हलॉस्ट ट्रेडिंक वी विचू पनां जगुण सन्धिडे को, धर बंड डे अर्डीर को कथिडे को, इहो खबर म्याई में कबोमिलती बजण जो विचू सरने में मन्त इरोओ आह

Q5. हेठि डिनल टूकर जो सिंधी अ में न मुंषी कथो :

20

Democracy stands much superior to any other form of government in promoting dignity and freedom of the individual. Every individual wants to receive respect from fellow beings. Often conflicts arise among individuals because some feel that they are not treated with due respect. The passion for respect and freedom are the basis of democracy. Democracies throughout the world have recognised this, at least in principle. This has been achieved in various degrees in various democracies. For societies which have been built for long on the basis of subordination and domination, it is not a simple matter to recognise that all individuals are equal.

Take the case of dignity of women. Most societies across the world were historically male dominated societies. Long struggles by women have created some sensitivity today that respect to and equal treatment of women are necessary ingredients of a democratic society. That does not mean that women are actually always treated with respect. But once the principle is recognised, it becomes easier for women to wage a struggle against what is now unacceptable legally and morally.

Q6. (a) हेठि डिनल मुहाचिरनि जी माना लिखां जुमिले में कम आणियो :

- | | | |
|-----|---------------|---|
| 1.) | पति चसि जणु | 2 |
| 2.) | सुजानोनी करणु | 2 |
| 3.) | अडिंको हुअणु | 2 |
| 4.) | पदि पदि थिअणु | 2 |
| 5.) | सक हकिणु | 2 |

- (b) हेठि छिनल लफिजनि जा इस्म जात लिखो :
- | | |
|-------------|---|
| (i) चालाक | 2 |
| (ii) फरेबी | 2 |
| (iii) सचरु | 2 |
| (iv) कूडा | 2 |
| (v) ईमन्दरु | 2 |
- (c) हेठि छिनल लफिजनि जू सिफतुं लिखो :
- | | |
|--------------|---|
| (i) गुगलु | 2 |
| (ii) झाइती | 2 |
| (iii) जुमु | 2 |
| (iv) मुहं | 2 |
| (v) बरदिशाहल | 2 |
- (d) हेठि छिनल लफिजनि जा जिन बुधायो :
- | | |
|--------------|---|
| (i) होश्वारु | 2 |
| (ii) बगराइती | 2 |
| (iii) सचरु | 2 |
| (iv) बिदो | 2 |
| (v) लइकु | 2 |